अबूझमाड़

मल्लखंब अकादमी

नारायणपुर

संक्षेपिका

मल्लखंब - एक परिचय

मल्लखंब का इतिहास

मल्लखंब का इतिहास सदियों पुराना है। इतिहास में सन् 1135 से मल्लखंब का उल्लेख मिलता है। 19वीं शताब्दी में रानी लक्ष्मीबाई, नाना साहेब, तात्या टोपे आदि ने अपने बचपन से ही मल्लखंब सीख कर भविष्य के जीवन में उपयोगी अस्त्र के रूप में स्थापित किया था। 20वीं शताब्दी में मल्लखंब राष्ट्रीय चैंपियनशिप के दौरान 1958 में फिर से प्रकाश में आई और 1965 में पहली राष्ट्रीय मल्लखंब चैंपियनशिप को राष्ट्रीय जिमनास्टिक के रूप में मान्य करते हुए प्रतियोगिता में सम्मिलित कर आयोजित किया गया।

वर्ष 1968 में मल्लखंब अखिल भारतीय विश्वविद्यालयीन खेलों में शामिल किया गया। जिमनास्टिक फेडरेशन के द्वारा वर्ष 1976 तक राष्ट्रीय मल्लखंब चैंपियनशिप का आयोजन किया जाता रहा, लेकिन वर्ष 1977 में जिमनास्टिक फेडरेशन ऑफ इंडिया ने मल्लखंब को राष्ट्रीय चैंपियनशिप प्रतियोगिता से हटा दिया, पश्चात् वर्ष 1980 तक मलखंब की कोई चैंपियनशिप नहीं हुई ।

वर्ष 1981 में उज्जैन के रहने वाले डॉ. बमशकर जोशी तथा उनके साथियों ने मल्लखंब फेडरेशन ऑफ इंडिया की पुर्नस्थापना की, जिसकी पंजीकरण मलखंब फेडरेशन के नाम से 7 जून 1984 को हुआ, जिसकी पंजीकरण संख्या 13752 है । इस फेडरेशन के तत्वावधान में 28–29 जनवरी 1981 को न्यू स्पोर्ट्स एसोसिएशन द्वारा मध्यप्रदेश के उज्जैन में राष्ट्रीय मल्लखंब चैंपियनशिप का आयोजन किया गया, जिसमें देश के विभिन्न हिस्सों से आए खिलाड़ियों ने भाग लिया। तब से लेकर अद्यतन स्थिति तक प्रत्येक वर्ष राष्ट्रीय मल्लखंब चैंपियनशिप का आयोजन किया जा रहा है।

सामान्य परिचय :

मल्लखंब भारतीय मूल का एक पारंपरिक खेल है, **मल्लखंब–मल्ल अर्थात पहलवान, खम्ब अर्थात् लकड़ी का खंबा**, जिसमें खिलाड़ी एक जिमनास्ट लकड़ी के खंभे, बेत या रस्सी के साथ संगीतमय कार्यक्रम में हवा में योग मुद्राए तथा तरह तरह के करतब (जिम्नास्टिक, एक्रोबेटिक, कैलेस्थेनिक का अभ्यास) किया जाता है। इस खेल में इस्तेमाल होने वाले खंबे या रस्सी को मल्लखंब के नाम से जाना जाता है । इसमें इस्तेमाल होने वाला खंबा आमतौर पर शीशम की लकड़ी का होता है, जिसे अरंडी के तेल से चमकाया जाता है। शीशम के खंबे के अलावा बेंत का भी इस्तेमाल किया जाता है।

छत्तीसगढ़ में मल्लखंब की पहचान :

धान का कटोरा कहलाए जाने वाला छत्तीसगढ़ राज्य आज खेल के जगत में भी न केवल भारत वर्ष में वरन् विश्व भर में अपनी अनोखी पहचान बना रहा है । यह एक ऐसा खेल है, जिसमें शरीर का संपूर्ण भागों का व्यायाम होता है, जिसमें कि योग, जिम्नास्टिक, एक्रोबेटिक, कैलेस्थेनिक आदि का समन्वय है। प्रदेश में पूर्व से ही मल्लखंब संघ के गठन कर संचालन का कार्यवाही छुट–पुट स्तर पर होता आ रहा है परन्तु वर्ष 2017 के बाद से नियमित प्रतियोगिताएं आयोजित होने के कारण जनमानस में यह खेल प्रचलित हो रहा है।

नारायणपुर में मल्लखंब की शुरूवात –

छत्तीसगढ़ प्रदेश के नारायणपुर जिला मुख्यालय में 15 अगस्त 2017 को हाई स्कूल ग्राउंड में प्रदर्शन के रूप में मल्लखंब खेल को प्रदर्शित कर सक्रिय रूप से प्रदार्पण किया गया, जिसमें एस.टी.एफ. के 3 जवान और नारायणपुर के 3 बच्चों ने इसमें भाग लिया। नारायणपुर के लोगों ने इस तरह का प्रदर्शन पहली बार सुना एवं देखा, जिसमें प्रदर्शित किये गये दृश्य अत्यंत रोमांचक और उत्साह भरा रहे, जिसे यहां के लोगों द्वारा तहेदिल से सराहा गया। आज नारायणपुर में 4 मल्लखंब ट्रेनिंग सेंटर है, जिसमें 250 से ज्यादा बच्चे मल्लखंब का अभ्यास नियमित रूप से करते हैं । उदाहरण के रूप में नारायणपुर के हृदय स्थल के रूप में जाना जाने वाला स्वामी विवेकानंद आश्रम में मल्लखंब प्रशिक्षण की शुरूवात प्रथम बार हुई, इसके पश्चात् पोटा केबिन आवासीय विद्यालय देवगाँव और ओरछा, कस्तूरबा बालिका विद्यालय नारायणपुर, विवेकानंद आश्रम कुंदला और अबूझमाड़ मल्लखंब अकादमी नारायणपुर की स्थापना की जाकर संचालित की जा रही है । इसके लोक प्रियता को देखते हुए धीरे–धीरे नारायणपुर के सभी स्कूलों के छात्र–छात्राओं को निःशुल्क प्रशिक्षण दिया जाना प्रस्तावित है, इस हेतु छत्तीसगढ़ राज्य के महामहिम राज्यपाल सुश्री अनुसुईया उइके जी और माननीय मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल जी के नारायणपुर के प्रवास के दौरान समुचित एवं नियमित प्रेरणा व मार्गदर्शन प्राप्त हुआ और इनके मार्गदर्शन व प्रेरणा से छ.ग. का मल्लखंब खेल राष्ट्रीय–अंतराष्ट्रीय पटल पर सुशोभित होने का गौरव प्राप्त हुआ।

अबूझमाड़ –
संक्षिप्त परिचय –

अबूझमाड़ देश का एक ऐसा भू–भाग है, जहां अद्यतन स्थिति तक राजस्व सर्वे एवं संबंधित गतिविधियॉ समुचित रूप से संपादित नही किया गया है । यह भू–भाग प्रदेश के दक्षिण–पश्चिमी एवं महाराष्ट्र प्रदेश से लगा हुआ घने जंगलों से आच्छादित अति पिछड़ा क्षेत्र है, जहां पर मुख्य रूप से अबूझमाड़िया नामक अति विशिष्ट पिछड़ी जनजाति निवास करती है, जो आधुनिक जीवनशैली से कोसो दूर अत्यंत बीहड़, पहुंच विहीन, नक्सली गतिविधियों हेतु अति संवेदनशील और विकास के मुख्य धारा से अद्यतन स्थिति तक भी अछूता है । इस जनजाति के संतान बहुत ही कर्मठ, मेहनती, होनहार, प्रतिभाशाली एवं समर्पित भाव रखने वाले होने के कारण इन्हे मल्लखंब खेल से जोड़ने एवं प्रशिक्षित करने के बाद इनके द्वारा सीमित संसाधनों एवं अभावों के बावजूद अपने प्रतिभा को प्रदर्शित करते हुए अनेक स्वर्ण, रजत एवं कांस्य पदक प्राप्त कर न केवल अबूझमाड़, नारायणपुर, बस्तर वरन् प्रदेश एवं देश का नाम भी उज्जवल किया है और आने वाले वर्षो में भी अनेक प्रदेश, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में असीम कीर्तिमान स्थापित करने की अनेक संभावनाएं है ।

अबूझमाड़

अबूझमाड़ –
संक्षिप्त परिचय –

अबूझमाड़ देश का एक ऐसा भू–भाग है, जहां अद्यतन स्थिति तक राजस्व सर्वे एवं संबंधित गतिविधियॉ समुचित रूप से संपादित नही किया गया है । यह भू–भाग प्रदेश के दक्षिण–पश्चिमी एवं महाराष्ट्र प्रदेश से लगा हुआ घने जंगलों से आच्छादित अति पिछड़ा क्षेत्र है, जहां पर मुख्य रूप से अबूझमाड़िया नामक अति विशिष्ट पिछड़ी जनजाति निवास करती है, जो आधुनिक जीवनशैली से कोसो दूर अत्यंत बीहड़, पहुंच विहीन, नक्सली गतिविधियों हेतु अति संवेदनशील और विकास के मुख्य धारा से अद्यतन स्थिति तक भी अछूता है ।

इस जनजाति के संतान बहुत ही कर्मठ, मेहनती, होनहार, प्रतिभाशाली एवं समर्पित भाव रखने वाले होने के कारण इन्हे मल्लखंब खेल से जोड़ने एवं प्रशिक्षित करने के बाद इनके द्वारा सीमित संसाधनों एवं अभावों के बावजूद अपने प्रतिभा को प्रदर्शित करते हुए अनेक स्वर्ण, रजत एवं कांस्य पदक प्राप्त कर न केवल अबूझमाड़, नारायणपुर, बस्तर वरन् प्रदेश एवं देश का नाम भी उज्जवल किया है और आने वाले वर्षो में भी अनेक प्रदेश, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में असीम कीर्तिमान स्थापित करने की अनेक संभावनाएं है ।

अबूझमाड़

अबूझमाड़ मल्लखंब अकादमी का सफरनामा –

अकादमी के स्थापना के पश्चात् खिलाड़ियों के अभिभावकों, शासन, प्रशासन के आवश्यक मार्गदर्शन, सहयोग और सतत् प्रेरणा से अबूझमाड़िया बच्चों के साथ–साथ स्थानीय बच्चों को नियमित रूप से प्रशिक्षित किया जाकर अनेक प्रतियोगिताओं में भाग लेना प्रारंभ किया गया। इन बच्चों को शिक्षा के साथ–साथ हर खेल के क्षेत्र में भी आगे लाना आवश्यक है, इसी मंशा के अनुरूप उनके रूचि अनुसार मल्लखंब खेल का प्रशिक्षण देना प्रारंभ किया गया। ऐसा तभी संभव हो सका, जब बच्चे पूर्णतः अकादमी के नियम/निर्देशों के नियंत्रण में हो जैसे प्राचीन काल में गुरूकुलों आदि में हुआ करते थे, जिससे सभी बच्चे अनुशासित रह कर खेल/खिलाडी भावना के साथ–साथ विश्व स्तर के प्रतियोगिता के अनुरूप दक्ष हो सके । इसी के परिणाम स्वरूप संस्था के प्रतियोगी प्रदेश एवं राष्ट्रीय स्तर के विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेते हुए रिकार्ड तोड़ प्रदर्शन कर **वर्ष 2021 में राष्ट्रीय चैंपियनशिप** अपने नाम कर ऐतिहासिक जीत दर्ज की गई एवं क्षेत्र/प्रदेश का नाम रौशन किया गया ।

प्रथम पायदान

तमिलनाडु–विल्लुपुरम 2018

हमारा पहला कंपीटिशन विल्लुपुरम–तमिलनाडु में 2018 में हुआ, जिसमें हमारी कोई उपलब्धि तो नही रही, पर इसका अनुभव हमारे लिए मील का पत्थर साबित हुआ और यही से हमारा मल्लखंब का सफर आगे बढ़ना शुरू हुआ, जिसके बाद हमने अपना ट्रेनिंग का शेड्यूल बदला और अपनी ट्रेनिंग को बढ़ाया

द्वितीय पायदान

64वीं राष्ट्रीय मल्लखंब स्कूल गेम्स

SGFI में 64वीं राष्ट्रीय मल्लखंब स्कूल गेम्स 26 दिसंबर से 30 दिसंबर 2018 को संपन्न हुआ। छत्तीसगढ़ की टीम को पहली बार सफलता का मार्ग प्रशस्त हुआ, जिसमें जिला नारायणपुर के 4 बालक और 3 बालिकाएं चयनित हुए थे

तृतीय पायदान

दिल्ली राष्ट्रीय सब जुनियर प्रतियोगिता

30 नवंबर से 2 दिसंबर 2018 में दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय सब जुनियर प्रतियोगिता संपन्न हुआ, जिसमें अबूझमाड़ नारायणपुर के खिलाड़ियों ने छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व किया

चतुर्थ पायदान

गोवा में आयोजित राष्ट्रीय मल्लखंब प्रतियोगिता

11 जनवरी से 14 जनवरी 2019 गोवा में आयोजित 31–32 वीं जूनियर और सीनियर वर्ग की राष्ट्रीय मल्लखंब प्रतियोगिता जिसमें छत्तीसगढ़ की टीम का चौथा स्थान प्राप्त हुआ

पंचम पायदान

गुजरात में आयोजित एक भारत श्रेष्ठ भारत के प्रदर्शन में छत्तीसगढ़

31 जनवरी से 4 फरवरी 2019 गुजरात में आयोजित एक श्रेष्ठ भारत के प्रदर्शन के लिए नारायणपुर अबूझमाड़ की टीम ने छत्तीसगढ़ राज्य का प्रतिनिधित्व किया

HEALTHY BODY, HEALTHLY MIND

Students from Gujarat and Chhattisgarh demonstrate their malkhamb skills in the city —PRAVIN INDREKAR

कलेक्टर से मिले पोटाकेबिन के बच्चे

नारायणपुर. पोटा केबिन आवासीय विद्यालय के मलखंभ खिलाड़ियों ने प्रशिक्षक मनोज प्रसाद के साथ कलेक्टर पीएस एल्मा से सौजन्य मुलाकात की. ये बच्चों गुजरात राज्य के अहमदाबाद में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के बाद वापस लौटे हैं. कलेक्टर ने कहा कि इन बच्चों के कारण अब अबूझमाड़ इलाके को मलखंभ के नाम से नई पहचान मिली है. राजीव गांधी शिक्षा मिशन के जिला समन्वयक आरपी मिरे ने बताया कि दो वर्ष के अल्पअवधि में इन बच्चों ने राष्ट्रीय मलखंभ प्रतियोगिताओं भी शानदार प्रदर्शन किया है. छत्तीसगढ़ समेत छह राज्यों में तमिलनाडु, महाराष्ट्र, दिल्ली, गोवा और गुजरात के शहरों में अपनी प्रतिभा से जिले का नाम रौशन किया है. सभी लोगों ने इनके प्रदर्शन को जमकर सराहा है. यह बच्चों नक्सल हिंसा ग्रस्त इलाके के बच्चों यहां रहकर अपनी पढ़ाई के साथ ही मलखंभ का अभ्यास करते हैं.

षष्ठम पायदान

मुंबई में आयोजित वर्ल्ड चैंपियनशिप

15 फरवरी से 19 फरवरी 2019, मुंबई में आयोजित वर्ल्ड चैंपियनशिप में श्री मनोज प्रसाद ने अंतर्राष्ट्रीय कोच की भूमिका निभाई

सप्तम पायदान

प्रतापपुर (सरगुजा) में आयोजित ऑल इंडिया इन्विटेशनल

4 नवबंर से 5 नवंबर 2019 में ऑल इंडिया इन्विटेशनल मल्लखंब प्रतियोगिता प्रतापपुर में 9 वर्षीय राजेश कोर्राम ने अपने से सीनियर वर्ग के खिलाड़ियों को मात देकर स्वर्ण पदक व मंगडू पोडियाम ने रजत पदक जीत कर छततीगसढ़ टीम द्वितीय स्थान प्राप्त कर विजयी कारवां आगे बढ़ा

एसपी ने खिलाड़ियों को किया सम्मानित

मलखंभ में अबूझमाड़ के बच्चों ने जीते 24 मेडल, सम्मान भी पाया

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

नारायणपुर . सुरजपुर के परतापुर में आयोजित राज्य स्तरीय मल्लखंभ चैम्पियन शीप में अबूझमाड़ के बच्चों ने अपनी प्रतिभा का जौहर दिखाकर ओवर ऑल चैम्पियन शीप का खिताब अपने नाम कर प्रतियोगिता में कुल 24 मेडल जीते है। इस सफलता के लिए पुलिस अधीक्षक ने मल्लखंभ के खिलाड़ियों को 20 हजार रुपए की राशि सौंपकर सम्मानित किया है।

जानकारी के अनुसार आल इण्डिया इनवीटेशन मल्लखंब चैम्पियन शीप में नारायणपुर जिले के राजेश कोर्राम एवं मंगतू पोडियाम ने सिल्वर मैडल जीत कर छत्तीसगढ़ का नाम रोशन किया। वहीं राज्य स्तरीय प्रतियोगिता परतापुर (जिला सुरजपुर) में आयोजित मलखंब चैम्पियनशीप जिला नारायणपुर के 48 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया था। इस प्रतियोगिता में राज्य से 10 जिलों के 250 मल्लखंब खिलाड़ी शामिल हुए थे।

इसमें नारायणपुर जिले के खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा का जौहर दिखाकर 8 गोल्ड ,9 सिल्वर एवं 7 ब्रान्ज कुल 24 मेडल जीतकर एक नया रिकार्ड कायम किया है। इन खिलाड़ियो के नारायणपुर वापस लौटने प पुलिस अधीक्षक मोहित गर्ग ने उनसे सौजन्य भेंटकर उनकी सफलता एवं उज्जवल भविष्य के लिए नारायणपुर पुलिस की ओर शुभकामना एवं बधाई देक खिलाड़ियों को खेल के प्र अच्छा मेहनत कर मल्लखंब में दे का नाम रोशन करने प्रोत्साहि किया गया। नारायणपुर पुलिस प्रोत्साहन स्वरूप 20 हजार रु की राशि प्रदान की गई। इस स लता में कोच मनोज प्र एसटीएफ रामकृष्ण मिशन आश्र कस्तुरबा गांधी विद्यालय सुले पोटा केबिन देवगांव का महत्व योगदान रहा।

अष्टम पायदान

बिलासपुर में आयोजित राष्ट्रीय मिनी जूनियर व सब जूनियर प्रतियोगिता

5, 6, 7 मार्च 2020 तक बिलासपुर में आयोजित 32 वीं राष्ट्रीय मिनी जूनियर व सब जूनियर प्रतियोगिता में अबूझमाड़ नारायणपुर के खिलाड़ियों ने 8 स्वर्ण, 1 रजत, 1 कांस्य पदक जीतकर एक ऐतिहासिक जीत की शुरूआत की

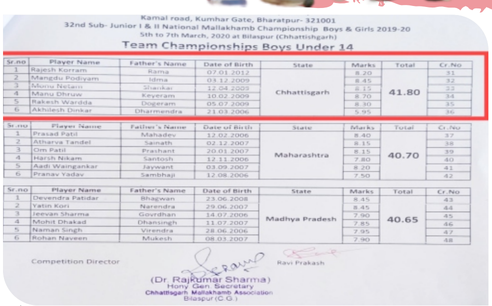

Kamal road, Kumhar Gate, Bharatpur- 321001
32nd Sub- Junior I & II National Mallakhamb Championship Boys & Girls 2019-20
5th to 7th March, 2020 at Bilaspur (Chhattishgarh)

Team Championships Boys Under 14

Sr.no	Player Name	Father's Name	Date of Birth	State	Marks	Total	Cr.No
1	Rajesh Korram	Rama	07.01.2012	Chhattisgarh	8.20	41.80	31
2	Mangdu Podiyam	Idma	03.12.2009		8.45		32
3	Monu Netam	Shankar	12.04.2009		8.15		33
4	Manu Dhruw	Keyeram	10.02.2009		8.70		34
5	Rakesh Wardda	Dogeram	05.07.2009		8.30		35
6	Akhilesh Dinkar	Dharmendra	21.03.2006		5.95		36

Sr.no	Player Name	Father's Name	Date of Birth	State	Marks	Total	Cr.No
1	Prasad Patil	Mahadev	12.02.2006	Maharashtra	8.40	40.70	37
2	Atharva Tandel	Sainath	02.12.2007		8.15		38
3	Om Patil	Prashant	20.01.2007		8.15		39
4	Harsh Nikam	Santosh	12.11.2006		7.80		40
5	Aadi Waingankar	Jaywant	03.09.2007		8.20		41
6	Pranav Yadav	Sambhaji	12.08.2006		7.50		42

Sr.no	Player Name	Father's Name	Date of Birth	State	Marks	Total	Cr.No
1	Devendra Patidar	Bhagwan	23.06.2008	Madhya Pradesh	8.45	40.65	43
2	Yatin Kori	Narendra	29.06.2007		8.45		44
3	Jeevan Sharma	Govrdhan	14.07.2006		7.90		45
4	Mohit Dhakad	Dhansingh	11.07.2007		7.85		46
5	Naman Singh	Virendra	28.06.2006		7.95		47
6	Rohan Naveen	Mukesh	08.03.2007		7.90		48

Competition Director

(Dr. Rajkumar Sharma)
Hony. Gen. Secretary
Chhattisgarh Mallakhamb Association
Bilaspur (C.G.)

Ravi Prakash

मलखंभ • राष्ट्रीय स्पर्धा बिलासपुर में आयोजित हुई

छत्तीसगढ़ के खिलाड़ियों ने 5 टीम पदक अपने नाम किए

नवम पायदान

32 सब जूनियर व 33 जूनियर एवं सीनियर प्रतियोगिता उज्जैन

26 से 30 सितम्बर को उज्जैन में आयोजित 32 सब जूनियर व 33 जूनियर एवं सीनियर, प्रतियोगिता में अबूझमाड़ अकादमी, नारायणपुर ने 10 स्वर्ण, 33 कांस्य पदक प्राप्त किए

उपलब्धि • उज्जैन में आयोजित मलखंभ की राष्ट्रीय प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों से कलेक्टर बोले- आप पर गर्व है

राष्ट्रीय प्रतियोगिता में मलखंभ के खिलाड़ियों ने जीते 40 मेडल

भास्कर न्यूज़ | नारायणपुर

मध्यप्रदेश के उज्जैन में आयोजित मलखंभ की राष्ट्रीय प्रतियोगिता में अपना दबदबा दिखाते हुए 10 गोल्ड, एक सिल्वर और 29 ब्रॉन्ज कुल 40 मेडल जीतकर नारायणपुर पहुंचे जिले के मलखंभ खिलाड़ियों ने सोमवार को कलेक्टर धर्मेश कुमार साहू से मुलाकात की।

कलेक्टर ने कहा कि आगे भी इसी प्रकार मेहनत करें और मेडल जीतकर राज्य और जिले का नाम रोशन करें। कलेक्टर ने खिलाड़ियों से उनके अनुभवों के बारे में भी पूछा। उन्होंने कहा कि आप लोग सिर्फ मेहनत करें, जिला प्रशासन द्वारा हरसंभव सुविधा दी जाएगी।

नारायणपुर. मध्यप्रदेश के उज्जैन में आयोजित मलखंभ की राष्ट्रीय प्रतियोगिता में शामिल मलखंभ खिलाड़ी कलेक्टर से मुलाकात करने पहुंचे।

टीम के कोच मनोज प्रसाद ने बताया कि सब जूनियर प्रथम, सब जूनियर द्वितीय के बाद सीनियर के बालिका वर्ग और बालक वर्ग ने टीम चैंपियनशिप और पिरामिड चैंपियनशिप में कांस्य पदक पर कब्जा जमाया। उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता 28, 29 ,30 सितंबर तक उज्जैन के माधव सेवा न्यास इनडोर स्टेडियम में आयोजित की गई, जिसमें पूरे देश से 22 राज्य की टीमों ने भाग लिया था। छत्तीसगढ़ से 48 खिलाड़ियों का चयन इस प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए किया गया था, जिसमें से 40 मलखंभ के खिलाड़ी नारायणपुर जिले के थे। आशा के अनुरूप छत्तीसगढ़ के खिलाड़ियों ने अपना दबदबा बनाते हुए सीनियर वर्ग में जयंती कचलाम ने ब्रांज मेडल, नरेंद्र गोटा ब्रांज मेडल प्राप्त किया। वहीं सीनियर वर्ग बालक-बालिका वर्ग से रमी पद्दा ने ब्रॉन्ज मेडल प्राप्त किया। जिन्हें भारत सरकार के खेल मंत्रालय से 1 लाख 2[illegible] हजार की राशि सभी प्रतिभागियों को अलग-अलग मिलेगी। छत्तीसगढ़ के खिलाड़ियों ने कुल जूनियर व सीनियर वर्ग में 58 मेडल प्राप्त किए।

दशम पायदान

कोण्डागांव में आयोजित 21वीं राज्य स्तरीय स्कूल प्रतियोगिता

27 से 30 अक्टूबर 2021 को कोण्डागांव में आयोजित 21वीं राज्य स्तरीय स्कूल प्रतियोगिता में अबूझमाड़ नारायणपुर के बच्चों ने बस्तर संभाग को प्रथम स्थान दिलाकर विशेष जीत हासिल की, जिसमें समस्त वर्ग के बालक–बालिकाओं ने 32 स्वर्ण पदक सहित कुल 41 पदक अपने नाम किए

हमारे प्रेरणा दाता

महामहिम सुश्री अनुसूईया उइके

राज्यपाल छत्तीसगढ़ शासन

आपकी उपस्थिति में मल्लखंब खेल का प्रदर्शन 15 अगस्त 2018 को रायपुर में हुआ, जिसमे आपने समक्ष प्रदर्शित मल्लखंब खेल के करतबों को सहृदय सराहा। इस दिन के बाद से मल्लखंब का चहुओर से विस्तार शुरू हुआ, और आज नारायणपुर भारत में मल्लखंब का केंद्र बनकर उभर रहा है। 26 जनवरी 2019 को मल्लखंब खिलाड़ी राजभवन रायपुर में आपके साथ भोज्य कार्यक्रम में भी शामिल हुए, जिसका खिलाड़ियों पर बहुत ही सकारात्मक प्रभाव पड़ा, जिससे इनका मनोबल और उत्साह बढ़ा है, जिसका परिणाम आज नारायणपुर की मल्लखंब टीम पूरे भारत में सर्वोच्च सीन पर आसीन है।

हमारे प्रेरणा दाता

मानननीय श्री भूपेश बघेल

मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़ शासन

10 जनवरी 2021 को अबूझमाड़, मल्लखंब अकादमी में आपका आगमन हुआ, आपके समक्ष मल्लखंब खिलाड़ियों द्वारा मल्लखंब का भव्य प्रदर्शन किया, आपने अबूझमाड़ के बच्चो द्वारा ऐसा हैरतंगेज करतबों को देखकर बच्चो को खूब सराहा और बच्चो के सुनहरे भविष्य के लिए प्रोत्साहित कर शुभ कामनाएं प्रदान किया गया, साथ ही आपने सभी खिलाड़ियों के लिए डाइट व ट्रेनिंग सेंटर की व्यवस्था करने का मार्ग प्रशस्त दिया। आज नारायणपुर मल्लखंब का खेल उतरोत्तर विकास करते हुए राष्ट्रीय–अंतराष्ट्रीय स्तर पर सुशोभित हो रहा है।

अबूझमाड़ के बच्चों का मलखंभ देख सीएम ने की तारीफ

मलखंभ अकादमी का प्रस्ताव केन्द्र को भेजा

भास्कर न्यूज़ | नारायणपुर

जिले के मलखंभ के खिलाड़ियों द्वारा रविवार को रोमांचक प्रदर्शन किया गया जिसके साक्षी मुख्यमंत्री भूपेश बघेल बने और उन्होंने मलखंभ का बेहतरीन प्रदर्शन के लिए खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर राजधानी रायपुर में आयोजित कार्यक्रम में मलखंभ का अनोखा प्रदर्शन किया गया था, जिसे देखने का अवसर मिला था।

अबूझमाड़ के छोटे-छोटे बच्चों द्वारा मलखंभ का प्रदर्शन देखकर लोगों ने दांतों तले उंगली दबा ली थी। यहां दोबारा मलखंभ का प्रदर्शन देखने को मिला। मोक्षिका साहू ने छत्तीसगढ़ी में अपनी बात रखी तथा मलखंभ खिलाड़ियों के लिए आवश्यक सामग्री सहित अन्य सुविधाओं की मांग की, जिस पर मुख्यमंत्री ने बताया कि मलखंभ अकादमी की स्थापना का प्रस्ताव केन्द्र सरकार के पास विचाराधीन है। कार्यक्रम में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी एवं ग्रामोद्योग मंत्री तथा नारायणपुर जिले के प्रभारी मंत्री गुरू रुद्रकुमार, राजस्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल, आबकारी मंत्री कवासी लखमा, बस्तर सांसद दीपक बैज, आदि मौजूद थे।

नारायणपुर. रोमांचक प्रदर्शन करने के बाद मलखंभ खिलाड़ियों ने मुख्यमंत्री के साथ फोटो भी खिंचाई।

सीएम ने फूल झाड़ू प्रसंस्करण केंद्र भी देखा

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने अपने नारायणपुर प्रवास के दूसरे दिन जिला मुख्यालय में वन विभाग द्वारा संचालित आदिवासी महिलाओं को आर्थिक रूप से सक्षम बनाने वाली जिले में संचालित फूलझाड़ू प्रसंस्करण केंद्र पहुंचे। इस दौरान उन्होंने वहां काम करने वाली महिलाओं से बातचीत की और उनके द्वारा तैयार की जाने वाली फूलझाड़ू के लिए कच्चे माल, बिक्री के लिए बाजार, मिलने वाली मजदूरी, आय आदि के बारे में जानकारी ली। मुख्यमंत्री को महिलाओं ने बताया कि उनके द्वारा तैयार की गयी माड़ के फूलझाड़ू से छत्तीसगढ़ के अलावा 45 हजार फूलझाड़ू देश की राजधानी दिल्ली भेजा गया है। माड़ की झाड़ू का योगदान देश की राजधानी दिल्ली को भी चकाचक करने में हो रहा है। वन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि वर्ष 2019-20 में फूलझाड़ू निर्माण परियोजना अंतर्गत 315.45 क्विंटल कच्चा माल संग्रहण किया गया, जिसका 9.46 लाख रुपए का भुगतान संग्राहकों को किया गया। प्रसंस्करण केन्द्र के माध्यम से स्व सहायता समूह की महिलाओं को 2.29 लाख रुपये की मजदूरी एवं 3.81 लाख लाभांश का भुगतान भी किया गया। इसी तरह वित्तीय वर्ष 2020-21 में राज्य शासन की एमएसपी योजनांतर्गत 249.10 कच्चा फूलझाड़ू संग्रहण किया गया, जिसके लिए संग्राहकों को 12.45 लाख रुपए का भुगतान किया गया है।

हमारे प्रेरणा दाता

श्री चंदन कश्यप

विधायक, नारायणपुर

नारायणपुर जिले के सम्माननीय विधायक व लोकप्रिय नेता श्री चंदन कश्यप जी का सहयोग, मार्गदर्शन और प्रोत्साहन नियमित रूप से मल्लखंब खिलाड़ियों को मिलता रहा है।

आज अबूझमाड़ मलखमब अकादमी नारायणपुर नित नए–नए बुलंदियों को छू कर कीर्तिमान स्थापित कर रहा है।

हमारे गुरू

श्री उदय विश्वनाथ देशपाण्डे

महासचिव, विश्व मल्लखंब फेडरेशन

आप आज सम्पूर्ण विश्व में मल्लखंब खेल में पितामह के तुल्य प्रचलित है। 45 से भी अधिक देशों में आपके द्वारा मल्लखंब शुरू किया गया। मल्लखंब खिलाड़ियों के साथ–साथ आपने मल्लखंब प्रशिक्षक और निर्णायक भी तैयार किए हैं। इसी के साथ आपको कई राज्यिक, राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय अवॉर्ड भी मिले हैं। आज आप विश्व मल्लखंब फेडरेशन के महासचिव है, 13 नवंबर 2021 में आपके द्वारा प्रशिक्षित खिलाड़ी सुश्री हिमानी उत्तम परब को मल्लखंब के पहले अर्जुन अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। एस.टी.एफ. छततीसगढ़ के 5 जवानों को मल्लखंब सिखया, जो आगे चलकर एक (श्री मनोज प्रसाद) ने नारायणपुर में अबूझमाड़ मल्लखंब अकादमी की स्थापना कर मल्लखंब विधा को देश प्रदेश में विस्तार कर विश्व पटल में परचम लहरा रहे हैं। आपने समय–समय अबूझमाड़ के खिलाड़ियों को सहयोग किया, इनका मनोबल और उत्साह बढ़ाया है।

हमारे गुरू

डॉ. सुब्रतो कुमार पाल

पी.टी.आई., मेंदीनीपुर खड़कपुर (प.बं.)

आप शारीरिक विज्ञान अध्यापक के रूप में मेंदीनीपुर, खड़गपुर, पश्चिम बंगाल सेवारत है। आपने कई राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी देश को दिए हैं। आप कोच श्री मनोज प्रसाद जी के जीवन के प्रथम गुरू है, आपके ही माध्यम से श्री मनोज प्रसाद जी ने खेल के महत्व को जाना और राष्ट्रीय स्तर पर कई प्रतियोगिताएं जीत दिला कर कीर्तिमान स्थापित कर रहें है। अबूझमाड़ मल्लखंब अकादमी नारायणपुर आपके योगदान एवं आर्शिवाद को हमेशा मंत्र के रूप में स्थापित कर नए–नए राष्ट्रीय–अंतराष्ट्रीय स्तर के कीर्तिमान स्थापित करने में मदद रूप हो सकेगा।

हमारे गुरू

श्री रमेश इंडोलिया

अध्यक्ष, मल्लखंब फेडरेशन ऑफ इंडिया

आप 2014 से मल्लखंब फेडरेशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष हैं। आपके कुशल नेतृत्व में आज मल्लखंब भारत के लगभग हर राज्य तक पहुंच चुका है और बहुत ही अच्छे स्तर मल्लखंब की राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताएं संपन्न हो रही हैं। आप पूर्व में PTI के रूप में भी अपनी बहुमूल्य सेवाएं दे चुंके है एवं आप मल्लखंब के उत्कृष्ट खिलाड़ी भी रहे हैं, आप नियमित रूप से छततीसगढ़ के खिलाड़ियों को सहयोग करते रहे हैं।

हमारे मार्गदर्शक

श्री टोपेश्वर वर्मा IAS

पूर्व कलेक्टर, नारायणपुर

आप नारायणपुर जिले के कलेक्टर के रूप में पदस्थापना के दौरान अबूझमाड़ मल्लखंब अकादमी नारायणपुर के विकास हेतु लगातार योगदान देते रहे, आपके कुशल मार्गदर्शन में अकादमी के खिलाड़ी विभिन्न प्रतियोगिताओं में विजयी होते रहे। आपकी भी मल्लखंब अकादमी के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

नारायणपुर : कलेक्टर के साथ खिलाड़ी बच्चे.

बच्चों ने कलेक्टर से साझा किया अनुभव

■ नवभारत रिपोर्टर । नारायणपुर.

देश की राजधानी दिल्ली में बीते दिन आयोजित हुए राष्ट्रीय मलखम्भ प्रतियोगिता में नक्सल प्रभावित जिले नारायणपुर के नजदीक स्थित पोटाकेबिन देवगांव के 18 बालक एवं बालिकाओं ने अपनी खेल प्रतिभा का परिचय देते हुए उत्कृष्ट प्रदर्शन किया और देश में चैथा स्थान प्राप्त किया. वापस लौटने पर इन बच्चों ने कलेक्टर से सौजन्य मुलाकात की. इस अवसर पर कलेक्टर ने उनसे आत्मीय बातचीत की और उनके अनुभवों के बारे में पूछा.

इस अवसर पर कलेक्टर ने बच्चों से कहा कि यह पहला मौका है जब

मुलाकात

■ दिल्ली मे मलखम्भ का प्रदर्षन कर बच्चो ने की कलेक्टर से सौजन्य मुलाकात

आप अपने शहर व राज्य से बाहर जाकर अपनी प्रतिभा का प्रदशर्शन किया है. बाहर प्रतियोगिता बहुत अधिक है, प्रतियोगिता के अनुसार अपनी खेल प्रतिभा को निखारें. उन्होंने इन बच्चों से और कड़ी मेहनत कर अगले वर्ष प्रथम स्थान प्राप्त करने की समझाईश दी. ज्ञात हो कि जिले के नारायणपर के नजदीक स्थित पोटाकेबिन देवगांव के 12 बालक एवं 6 बालिकाओं का चयन राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए हुआ था. इनमें से 6-6 बालक-बालिका 12 वर्ष आयु वर्ग के मलखम्भ में शामिल हुए. वहीं 6 बच्चे 14 वर्ष की मलखम्भ प्रतियोगिता में हिस्सा लेने पिछले महीने की 25 तारीख को राजधानी से रवाना हुए थे. इस अवसर पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अशोक चैबे, डिप्टी कलेक्टर एसएन बाजपेयी, जिला समन्वयक राजीव गांधी शिक्षा मिशन आरपी मिरे, मलखम्भ के प्रशिक्षक मनोज प्रसाद सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे.

हमारे मार्गदर्शक

श्री पद्‌म सिंह एल्मा IAS

पूर्व कलेक्टर, नारायणपुर

आपके नारायणपुर जिले में पदस्थापना के दौरान अबूझमाड़ मल्लखंब अकादमी नारायणपुर का विजयी अभियान प्रारंभ हुआ। आपके द्वारा मल्लखंब के खिलाड़ियों को हर संभव सुविधा, मार्गदर्शन एवं प्रोत्साहन देने से खिलाड़ी नए–नए ऊचाईयों को प्राप्त करने में सफल हुए। आपके कार्यकाल में आपके कुशल मार्गदर्शन में पोर्टा केबिन आश्रम देवगांव में मल्लखंब का पहला ट्रेनिंग सेंटर प्रारंभ किया गया और आप आज भी अबूझमाड़ मल्लखंब अकादमी से जुड़े हैं और आपका बहुमूल्य सहयोग एवं मार्गदर्शन मिलता रहा है।

मलखंभ के नाम अबूझमाड़ को मिली नई पहचान

नारायणपुर। पोटा केबिन आवासीय विद्यालय के मलखंभ खिलाड़ियों ने प्रशिक्षक मनोज प्रसाद के साथ कलेक्टर श्री पी.एस. एल्मा से की सौजन्य मुलाकात। ये बच्चों गुजरात राज्य के अहमदाबाद में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के बाद वापस लौटे है। कलेक्टर ने कहा कि इन बच्चों के कारण अब अबूझमाड़ इलाके को मलखंभ के नाम से नई पहचान मिली है। राजीव गांधी शिक्षा मिशन के जिला समन्वयक आर.पी. मिरे ने बताया कि दो वर्ष के अल्प अवधि में इन बच्चों ने राष्ट्रीय मलखंभ प्रतियोगिताओं भी शानदार प्रदर्शन किया है। छत्तीसगढ़ समेत छह राज्यों में तमिलनाडु, महाराष्ट्र, दिल्ली, गोवा और गुजरात के शहरों में अपनी प्रतिभा से जिले का नाम रोशन किया है। सभी लोगों ने इनके प्रदर्शन को जमकर सराहा है। अबूझमाड़ का इलाका घने जंगलों-पहाड़ों, अपनी परंपरिक वेशभूषा, लोककला एवं अनूठी संस्कृति के कारण विश्व का ध्यान अपनी ओर खीचता चलाया आया है।

पोटा केबिन के बच्चों ने कलेक्टर से की सौजन्य मुलाकात

लेकिन अब अबूझमाड़ को एक और काम के लिए जाना जाने लगा है। वह है माड़िया बच्चों का मलखंभ के प्रति रूझान। जिला मुख्यालय के नजदीक देवगांव स्थित पोटा केबिन आवासीय विद्यालय के छोटे-छोटे बच्चों ने मलखंभ सीखकर अपने जिले का नाम रोशन किया है।

हमारे मार्गदर्शक

पूर्व कलेक्टर नारायणपुर श्री अभिजीत सिंह के कार्यकाल में ही अबूझमाड़ मल्लखंब अकादमी की नींव डाली गई।

आपके नियमित मार्गदर्शन एवं प्रोत्साहन से अबूझमाड़ मल्लखंब अकादमी नारायणपुर नए–नए बुलंदियों को प्राप्त करने में सक्षम हुआ है।

श्री अभिजीत सिंह IAS

पूर्व कलेक्टर, नारायणपुर

हमारे मार्गदर्शक

श्री धर्मेश कुमार साहू IAS
कलेक्टर, नारायणपुर

आपके द्वारा अबूझमाड़ मल्लखंब अकादमी नारायणपुर को अद्यतन स्थिति में नियमित रूप से मार्गदर्शन, प्रोत्साहन प्राप्त हो रहा है। समय–समय पर अकादमी के प्रशिक्षक दल एवं खिलाड़ियों को व्यक्तिगत रूप से आवश्यक समन्वयक स्थापित किया जाता है। आपके मार्गदर्शन में वर्ष 2021 उज्जैन, मध्यप्रदेश में आयोजित राष्ट्रीय मल्लखंब चैंपियनशिप में 11 स्वर्ण सहित कुल 43 राष्ट्रीय पदक प्राप्त किया गया, जिससे न केवल छततीसगढ़ वरन राष्ट्रीय स्तर पर परचम लहरा कर अकादमी का नाम रौशन किया गया।

बांग्ला रिआलिटी शो में भाग लेने मलखंब खिलाड़ी रवाना

नारायणपुर. कलेक्टर से मुलाकात करने पहुंचे मलखंभ के खिलाड़ी।

नारायणपुर| जिले के मलखंभ टीम के खिलाड़ी स्टार जलसा एंटरटेनमेंट बांग्ला चैनल के रिआलिटी शो में अपनी प्रस्तुति देने के लिए गुरुवार को रवाना हो रही है। जहां 19 और 20 फरवरी को उनका प्रदर्शन देखा जाएगा और शूटिंग की जाएगी।

इसके बाद रियलिटी शो के फाइनल में मलखंभ के प्रदर्शन का चयन करते हुए उसे प्रसारित किया जाएगा। नारायणपुर मलखंब अकादमी के कोच मनोज प्रसाद, सहायक प्रशिक्षक परमानंद नाग खिलाड़ियों को लेकर कलेक्टर धर्मेश कुमार साहू से मिले। जहां कलेक्टर ने मलखंभ खिलाड़ियों की तारीफ की और चैंपियन का खिताब जीतकर लौटने के लिए कहा। उन्होंने खिलाड़ियों की तारीफ करते कहा कि मलखंभ के चलते नारायणपुर को एक अलग पहचान मिली है जो आने वाले दिनों में भी कायम रहेगी।

उपलब्धि • उज्जैन में आयोजित मलखंभ की राष्ट्रीय प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों से कलेक्टर बोले- आप पर गर्व है

राष्ट्रीय प्रतियोगिता में मलखंभ के खिलाड़ियों ने जीते 40 मेडल

भास्कर न्यूज | नारायणपुर

नारायणपुर. मध्यप्रदेश के उज्जैन में आयोजित मलखंभ की राष्ट्रीय प्रतियोगिता में शामिल मलखंभ खिलाड़ी कलेक्टर से मुलाकात करने पहुंचे।

मध्यप्रदेश के उज्जैन में आयोजित मलखंभ की राष्ट्रीय प्रतियोगिता में अपना दबदबा दिखाते हुए 10 गोल्ड, एक सिल्वर और 29 ब्रॉन्ज कुल 40 मेडल जीतकर नारायणपुर पहुंचे जिले के मलखंभ खिलाड़ियों ने सोमवार को कलेक्टर धर्मेश कुमार साहू से मुलाकात की।

कलेक्टर ने कहा कि आगे भी इसी प्रकार मेहनत करें और मेडल जीतकर राज्य और जिले का नाम रोशन करें। कलेक्टर ने खिलाड़ियों से उनके अनुभवों के बारे में भी पूछा। उन्होंने कहा कि आप लोग सिर्फ मेहनत करें, जिला प्रशासन द्वारा हरसंभव सुविधा प्रदान की जाएगी।

टीम के कोच मनोज प्रसाद ने बताया कि सब जूनियर प्रथम, सब जूनियर द्वितीय के बाद सीनियर के बालिका वर्ग और बालक वर्ग ने टीम चैंपियनशिप और पिरामिड चैंपियनशिप में कांस्य पदक पर कब्जा जमाया। उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता 28, 29 ,30 सितंबर तक उज्जैन के माधव सेवा न्यास इनडोर स्टेडियम में आयोजित की गई, जिसमें पूरे देश से 22 राज्य की टीमों ने भाग लिया था। छत्तीसगढ़ से 48 खिलाड़ियों का चयन इस प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए किया गया था, जिसमें से 40 मलखंभ के खिलाड़ी नारायणपुर जिले के थे। आशा के अनुरूप छत्तीसगढ़ के खिलाड़ियों ने अपना दबदबा बनाते हुए सीनियर वर्ग में जयंती कचलाम ने ब्रांज मेडल, नरेंद्र गोटा ब्रांज मेडल प्राप्त किया। वहीं सीनियर वर्ग बालक-बालिका वर्ग से रमी पद्दा ने ब्रॉन्ज मेडल प्राप्त किया। जिन्हें भारत सरकार के खेल मंत्रालय से 1 लाख 20 हजार की राशि सभी प्रतिभागियों को अलग-अलग मिलेगी। छत्तीसगढ़ के खिलाड़ियों ने कुल जूनियर व सीनियर वर्ग में 58 मेडल प्राप्त किए।

हमारे मार्गदर्शक

श्री राहुल देव IAS

पूर्व मुख्य कार्यपालन अधिकारी
जिला पंचायत, नारायणपुर

वर्ष 2020 में नारायणपुर CEO जिला पंचायत पद पर पदस्थापना **के दौरान आपके द्वारा मल्लखंब अकादमी को कई खेल एवं पोषण सामग्री दी गई** तथा **समय-समय खिलाड़ियों की हर उपलब्धियों** के उपलक्ष्य में **समारोह** आयोजित कर सम्मानित किया गया**, जिससे खिलाड़ियों को भरपूर उत्साह और आत्मविश्वास मिला । आप आज भी अबूझमाड़ मल्लखंब अकादमी से जुड़े है और हर संभव सहायता देने को तत्पर रहते हैं ।**

हमारे मार्गदर्शक

आप प्रारंभ से ही अबूझमाड़ मल्लखंब अकादमी से जुड़े हुए हैं, आप हर परिरिस्थितियों में मल्लखंब अकादमी के साथ कंधे से कंधा मिलाकर साथ देते आ रहे हैं, आप खिलाड़ियों को अपनी ओर से हर सम्भव मार्गदर्शन एवं प्रोत्साहन करने में तत्पर रहते हैं।

श्री रमेश ढुग्गा IFS

हमारे मार्गदर्शक

श्री जितेन्द्र शुक्ला IPS

पूर्व पुलिस अधिक्षक, नारायणपुर

नारायणपुर में सभी खेलो को आगे बढ़ाने में आपका महत्वपूर्ण योगदान रहा है, आप हर खेल को उसके उच्च दर्जे तक ले जाने की चाह रखते हैं, ताकि हमारे अबूझमाड़ नारायणपुर के बच्चे राष्ट्रीय , अंतर्राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी बने । आप शुरुआत से मल्लखंब से प्रभावित रहे हैं और अपनी ओर से मल्लखंब खिलाड़ियों की हर संभव सहायता देने का प्रयास करते रहे हैं ।

हमारे मार्गदर्शक

आप नारायणपुर पुलिस विभाग से 2019 में एसपी पद पर पदस्थ रहे हैं। इस दौरान आपका नारायणपुर में सभी खेलो को बढ़ावा देने में योगदान रहा है। आपने मल्लखंब अकादमी मल्लखंब सामग्रीय भी दिए, साथ ही आपने अपने परिवार सहित खिलाड़ियों को कई बार प्रोत्साहित किया।

श्री मोहित गर्ग IPS

पूर्व पुलिस अधिक्षक, नारायणपुर

हमारे मार्गदर्शक

आप प्रशासनिक अधिकारी होने के साथ–साथ एक उत्कृष्ट खिलाड़ी भी है, **जैसे नियमित व्यायाम , दौड़ना , खेलना इत्यादि , जिस कारण आप खिलाड़ियों की भावना अच्छी तरह समझ पाते हैं , कोरोना काल में** विपरीत परिस्थितियों के बावजूद भी **आपके** कुशल मार्गदर्शन एवं प्रोत्साहन से प्रशिक्षण कार्यक्रम लगातार जारी रहा एवं आपका मल्लखंब अकादमी में नियमित रूप से आगमन होने के कारण बच्चों को उचित मार्गदर्शन मिलता रहा है।

श्री दीपक साव

रक्षित निरीक्षक, नारायणपुर

हमारे मार्गदर्शक

श्री आर.पी. मीरे

पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी, नारायणपुर

जिला शिक्षा अधिकारी नारायणपुर के रूप में पदस्थापना के दौरान पोटा केबिन आश्रम के सभी मल्लखंब खिलाड़ियों को उत्तम पोषण आहार की व्यवस्था की गई एवं आपका खिलाड़ियों को सतत रूप से आवश्यक मार्गदर्शन एवं प्रोत्साहन मिलता रहा है। वर्ष 2018 में नई दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय मल्लखंब प्रतियोगिता में आपके कुशल नेतृत्व में भाग लिया गया और आपके उत्कृष्ट नेतृत्व के कारण आपको राष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कृत किया गया।

हमारे मार्गदर्शक

डॉ. राजकुमार शर्मा

सचिव, छत्तीसगढ़ मल्लखंब संघ

आपने छत्तीसगढ़ में मल्लखंब की स्थापना, विकास **और प्रचार प्रसार में अपने अनूठी भूमिका निभाई हैं। आप पूर्व में SAI (Sports Authority of India) जिम्नास्टिक कोच भी रहे हैं । साथ ही अबूझमाड़ मल्लखंब** अकादमी **के हर खिलाड़ी** के साथ **आपका विशेष स्नेह है ।** आपके कुशल नेतृत्व में वर्ष 2021 में राष्ट्रीय मल्लखंब चैम्पीयनशिप में सर्वोच्च प्रदशन करते हुए छ.ग. राज्य को प्रथम स्थान प्राप्त करने में आपका विशेष योगदान रहा है।

हमारे मार्गदर्शक

आप मल्लखंब खेल से हमेशा ही प्रभावित रहे हैं , आप नियमित रूप से मल्लखंब **खिलाड़ियों** को आवश्यक मार्गदर्शन एवं प्रेरणा देते रहें है और आपके कुशल निर्देशन में नारायणपुर के खिलाड़ी देश–प्रदेश में सफलताओं का परचम लहराने में कामयाब रहे हैं। **आप नारायणपुर के एक सफल व्यवसायी है।**

श्री आकाश जैन

अध्यक्ष, जिला नारायणपुर मल्लखंब संघ

हमारे सृजन हार

श्री मनोज प्रसाद

मुख्य प्रशिक्षक एवं सचिव
अबूझमाड़ मल्लखंब अकादमी नारायणपुर

''जिद करो.......... दुनिया बदलो......''

उपरोक्त उक्ति को चरितार्थ करने वाले ऐसे कारीगर जिसके जिद के कारण अबूझमाड़ मल्लखंब अकादमी नारायणपुर का नाम विश्व पटल में रोशन हुआ और हो रहा है, उन्हें मनोज प्रसाद के रूप में जाना जाता है। वे छ.ग. सशस्त्र बल के 16वीं बटालीयन में कान्सटेबल के पद पर सेवा दे रहें। इनके जिद, कर्मठता, लगन और समर्पित भाव के कारण अबूझमाड़ जैसे पहुंचविहीन एवं नक्सली गतिविधियों हेतु अतिसंवेदनशील क्षेत्र के अतिविशिष्ट जनजातीय समुदाय (अबुझमाड़िया) के बच्चों को शिक्षा के साथ–साथ मल्लखंब विधा में प्रशिक्षित कर विश्व स्तरीय दक्षता विकसित कर रहें है। इनका आगामी पड़ाव अंतराष्ट्रीय मल्लखंब चैम्पीयनशीप में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर देश–प्रेदश का नाम विश्व पटल पर स्थापित करने पूरजोर अभ्यास करने में लगे है।

मनोज प्रसाद ने अबूझमाड़ में लहराया मल्लखंब का परचम

'छत्तीसगढ़' संवाददाता

रायपुर, 3 सितंबर। प्रबल इच्छा शक्ति की बदौलत मल्लखंब खेल में छत्तीसगढ़ को शीर्ष पहचान देने वाले कोच मनोज प्रसाद का एक ही सपना है अबूझमाड़ के बच्चों को ओलंपिक तक पहुंचाने का और इस सपने को पूरा करने के लिए वह न सिर्फ अथक परिश्रम कर रहे हैं वरन् वर्तमान में अबूझमाड़ के 10 बच्चों को खुद के खर्चे में प्रशिक्षण दे रहे हैं। उनके प्रशिक्षण की बदौलत छत्तीसगढ़ के खिलाड़ियों में 2 साल में 40 सालों से मल्लखंब में वर्चस्व रखने वाले महाराष्ट्र और मप्र को पछाड़ दिया है।

स्पेशल टास्कफोर्स में कार्यरत मूलतः बलिया के निवासी मनोज प्रसाद की स्कूली शिक्षा खड़गपुर में हुई। एथलेटिक्स के चैंपियन रहते हुए राष्ट्रीय उपलब्धियों की बदौलत 12वीं पास करने के बाद एयरफोर्स, आर्मी के अलावा छग में स्पेशल टास्क फोर्स में नौकरी हासिल हो गई। सबसे पहले नौकरी का लेटर छत्तीसगढ़ से मिला और पारिवारिक जिम्मेदारी के कारण उन्होंने उसे तुरंत ज्वाइन कर लिया।

वर्ष 2015 में स्पेशल टास्क फोर्स में वह सुकमा में रहे लेकिन नियति उन्हें मल्लखंब से जोड़ना चाहती थी। डीआईजी रजनीश शर्मा की ओर से खिलाड़ी होने के नाते उन्हें मुंबई में मल्लखंब प्रशिक्षण प्राप्त करने का प्रस्ताव मिला। मल्लखंब प्रशिक्षण के बहाने

से मुंबई घूमने की चाह से उन्होंने प्रस्ताव स्वीकार कर लिया।

मनोज कहते हैं मुंबई श्री समर्थ जाम मंदिर में मैंने जब उम्रदराज से लेकर बच्चों को मल्लखंब करते देखा तो हैरान रह गया। एक्ट्रेस अदा शर्मा की 63 वर्षीय मां के मल्लखंब से प्रभावित होकर मैंने मल्लखंब को साधने का संकल्प किया।

इस समय नारायणपुर में मेरी पोस्टिंग थी। मैंने अपनी सारी छुट्टियां का इस्तेमाल मल्लखंब ट्रेनिंग में किया। मुझे पता चला कि छग में मल्लखंब का 2001 से पंजीयन है लेकिन अब तक इसमें कुछ उपलब्धि नहीं मिल पाई है। मैंने अपने दो साथियों और दो-तीन बच्चों को मल्लखंब सिखाया और वर्ष 2017, 15 अगस्त को इसका प्रदर्शन किया। इस प्रदर्शन के बाद नारायणपुर रामकृष्ण मिशन से यहां के बच्चों को मल्लखंब सिखाने का प्रस्ताव आया। मल्लखंब की कमी के बावजूद मैंने वहां के बच्चों को सिखाना शुरू किया।

रामकृष्ण मिशन के बाद मनोज प्रसाद ने पोर्टा केबिन आवासीय विद्यालय देवगांव नारायणपुर के बच्चों को मल्लखंब का प्रशिक्षण देने लगे। मनोज कहते हैं मैंने देखा कि अबूझमाड़ के आदिवासी बच्चों में गरीबी के बावजूद गजब की ऊर्जा थी। ट्रेनिंग से मैंने उन्हें निखारा। पहली बार वर्ष 2018 में हम तमिलनाडू में आयोजित राष्ट्रीय स्पर्धा में शामिल हुए। यहां हमारी शर्मनाक हार हुई और इस हार ने मुझे जीत का जुनूनी बना दिया। वर्ष 2019 में दिल्ली में नेशनल में 10 में से हमने 7 से ज्यादा अंक प्राप्त कर लोगों को हैरत में डाल दिया।

वर्ष 2020 बिलासपुर में 32 राष्ट्रीय मल्लखंब स्पर्धा में छत्तीसगढ़ में 8 खिलाड़ियों ने स्वर्ण और 3 खिलाड़ियों ने कांस्य पदक प्राप्त किया। इसके पहले अंबिकापुर, प्रतापपुर में आयोजित स्पर्धा में राजेश कोर्राम ने स्वर्ण और मंगलू ने रजत पदक प्राप्त किया।

राज्यपाल अनुसूइया उइके ने मल्लखंब प्रदर्शन देखकर 3 लाख राशि की मदद की। फिलहाल कोरोना के कारण स्कूल बंद है लेकिन अबूझमाड़ के 10 बच्चों को मैं अपने खर्चे पर ट्रेनिंग दे रहा हूं। खेलो इंडिया के तहत 11 बच्चों के लिए 13 लाख की राशि स्कॉलरशिप रूप में स्वीकृत हो चुकी है। चार बच्चों का ओलंपिक में जाना तय है।

'MALKHAMBH' ACT

Narayanpur: CM Baghel hailed wonderful performance by players on 'Malkhambh' and said that the children are bringing laurels not only to Narayanpur but entire Ch'garh.

हमारे सृजन हार

श्री परमानंद नाग

प्रशिक्षक

अबूझमाड़ मल्लखंब अकादमी नारायणपुर

श्री सौरभ पाल

प्रशिक्षक

अबूझमाड़ मल्लखंब अकादमी नारायणपुर

छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व कर जीते 8 गोल्ड मेडल: 32वीं राष्ट्रीय सब जूनियर मलखम प्रतियोगिता का खिताब किया अपने नाम

अबूझमाड़ के खिलाड़ियों ने चालीस साल से प्रथम रही महाराष्ट्र एवं मध्यप्रदेश की टीमों को दी मात, आयोजन समिति ने किया पुरस्कृत

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

पुरस्कृत... सब जूनियर मल्ल खंब प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया गया।

नारायणपुर . बिलासपुर में आयोजित 32 वी राष्ट्रीय सब जूनियर मलखम प्रतियोगिता में अबूझमाड़ के खिलाडियों ने 40 साल से अव्वल रहने वाली महाराष्ट्र एवं मध्यप्रदेश की टीमों को मात देकर मलखंभ प्रतियोगिता का खिताब अपने नाम कर लिया है। इस प्रतियोगिता नमें अबूझमाड़ के खिलाडियों ने छत्तीसगढ़ टीम से प्रतिनिधित्व कर अपने खेल का बेहतर प्रदर्शन करते हुए 8 गोल्ड मेडल जीतकर इतिहास रच दिया है। इससे मलखंभ खिलाडियों में इस सफलता को लेकर खुशी का माहौल देखने को मिल रहा हैं। माओवादी प्रभावित नारायणपुर जिले के पोटाकेबिन देवगांव में आवासीय शिक्षा ग्रहण कर रहे अबूझमाड़ के बच्चों के अंदर छुपी प्रतिभा को निखारने के लिए एसटीएफ के जवान मनोज प्रसाद पिछले 2 साल मेहनत करने में लगे हुए है। मलखंभ खेल में बच्चों की रुचि और कड़ी मेहनत के चलते आज छत्तीसगढ़ राज्य में ही नहीं बल्कि देश के अन्य राज्यों में भी देवगांव पोटाकेबिन के बच्चों की मलखम प्रतिभा के कायल है। इसी मेहनत और अबूझमाड़ के बच्चों क मलखंभ खेल में बेहतर प्रदर्शन करने कारण विभिन्न प्रतियोगिता अपने खेल का लौहा बनवा रहे है। इसी तरह 5 मार्च से तीन दिवसीय 32वी राष्ट्रीय सब जूनियर मलखंभ प्रतियोगिता का आयोजन बिलासपुर के व्यापार विहार स्थित त्रिवेणी भवन में किया गया था।

इस प्रतियोगिता में 28 राज्यो के प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। 28 राज्यों के खिलाड़ियों के सामने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाते हुए देवगांव पोटाकेबिन के बच्चों ने छत्तीसगढ़ टीम से प्रतिनिधित्व करते हुए 40 वर्षों से काबिज महाराष्ट्र और मध्यप्रदेश जैसे राज्यो को मलखंभ खेल में धूल चटाते हुए 8 गोल्ड मैडल जीतकर छत्तीसगढ़ टीम को जीत दिलाई है। इसमें देवागांव पोटाकेबिन के बच्चों ने मलखंभ खेल में बेहतर प्रदर्शन कर ओवरऑल चैंम्पियन का खिताब छत्तीसगढ़ टीम के नाम कर लिया है। बिलासपुर में आयोजित इस प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ टीम ने 8 गोल्ड मेडल जीते हैं। इनमें नारायणपुर पोटा केबिन के बच्चों ने 7 गोल्ड सहित 2 कांस्य मेडल अपने नाम कर नारायणपुर जिले का नाम रौशन कर दिया है। वहीं इस प्रतियोगिता में अपने खेल का बेहतर प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को खेलो इंडिया खेलो के माध्यम से प्रत्येक बच्चों को 10-10 हजार रुपए प्रति माह स्कालरशिप दी जाएगी। इस सफलता के कारण खिलाड़ियों में खुशी का माहौल बना हुआ हैं।

नारायणपुर मलखंब टीम कोच गुवाहाटी में देंगे प्रशिक्षण

'छत्तीसगढ़' संवाददाता

रायपुर, 6 नवंबर। मलखंब एसोसिएशन ऑफ इंडिया के विशेष आमंत्रण पर एमेच्योर मलखंब एसोसिएशन नारायणपुर की 6 सदस्यीय मलखंब टीम विगत दिवस छत्तीसगढ़ नारायणपुर मलखंब के प्रशिक्षक मनोज प्रसाद के नेतृत्व में गुवाहाटी रवाना हुई। मलखंब के. कोच गुवाहाटी में असम के मलखंब खिलाड़ियों को प्रशिक्षण देगें।।

विदित हो कि छत्तीसगढ़ टीम के प्रशिक्षक मनोज प्रसाद छत्तीसगढ़ आर्म्ड फोर्स की स्पेशल टास्क फोर्स के जवान हैं मलखंब फेडरेशन ऑफ इंडिया के प्रेसिडेंट डॉ रमेश इंडोलिया के विशेष निवेदन और आयोजक दिगंबराय प्रेसिडेंट असम मल्लखम्ब एससोसिसन यूनिट के आमंत्रण पर मनोज प्रसाद 8 नवंबर से 14 नवंबर 2020 तक गुवाहाटी में प्रशिक्षण देंगे उनके साथ छत्तीसगढ़ मलखंब टीम के 5 खिलाड़ी भी हैं जिसमें सरिता भी शामिल है।

छत्तीसगढ़ मलखंब टीम के कोच मनोज प्रसाद ने इस अवसर हेतु कलेक्टर अभिजीत सिंह, पुलिस अधीक्षक महोदय मोहित गर्ग मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत राहुल देव रक्षित ,निरीक्षक दीपक साव तथा एमेच्योर मलखंब एसोसिएशन नारायणपुर के प्रेसिडेंट आकाश जैन के प्रति आभार व्यक्त किया है।

असम के खिलाड़ी नारायणपुर में सीखेंगे मलखंब कौशल

'छत्तीसगढ़' संवाददाता

रायपुर, 12 नवंबर। असम के मलखंब के खिलाड़ी वर्ष 2021 जनवरी माह में नारायणपुर के कोच मनोज प्रसाद से मलखंब कौशल सीखने के लिए नारायणपुर आएंगें। असम गुवाहटी मलखंब संघ के अध्यक्ष दिगंबर राय ने इस खबर की पुष्टि करते हुए बताया कि विगत 8 नवंबर से नारायणपुर के कोच मनोज प्रसाद असम के मलखंब के खिलाड़ियों को प्रशिक्षण दे रहे हैं।

प्रशिक्षण के दौरान उन्होंने मलखंब के बेसिक खिलाड़ियों को सिखा दिए हैं लेकिन खिलाड़ियों को मलखंब के कौशल प्रशिक्षण की जरुरत है।असम में मलखंब के कोच की कमी है जिसके कारण संघ ने असम के खिलाड़ियों को नारायणपुर में प्रशिक्षण दिलाने का फैसला किया है।इसके लिए जनवरी,फरवरी माह में असम के लगभग 15 खिलाड़ियों को प्रशिक्षण के लिए नारायणपुर भेजा जाएगा।

कुल उपब्धियां

2019 प्रतापपुर में आयोजित ऑल इंडिया इन्विटेशनल चैंपियनशिप
8 पदक – 1 स्वर्ण, 7 रजत

कोंडागांव में आयोजित 19 वी राज्यस्तर स्कूलगेम्स
15 पदक – 12 स्वर्ण, 2 रजत, 1 कांस्य

2020 राज्यस्तर मल्लखंब प्रतियोगिता, बिलासपुर
10 पदक – 6 स्वर्ण, 4 कांस्य

32 वी राष्ट्रीय मल्लखंब प्रतियोगिता, बिलासपुर
8 पदक – 8 स्वर्ण

2021 राज्यस्तर मल्लखंब प्रतियोगिता, बिलासपुर
36 पदक – 32 स्वर्ण, 4 रजत

उज्जैन में आयोजित राष्ट्रीय मल्लखंब प्रतियोगिता
43 पदक – 10 स्वर्ण, 33 कांस्य

कोंडागांव, 21 वी राज्यस्तर स्कूलगेम्स
41पदक – 32 स्वर्ण, 7 रजत, 2 कांस्य

हमारे हुनरबाज

मानू ध्रुव — गोल्ड-10

राजू कर्मा — गोल्ड-2

राजेश कोर्राम — गोल्ड-4

मंगडू पोडियाम — गोल्ड-2, रजत-2

मोनू नेताम — गोल्ड-3

राकेश वरदा — गोल्ड- 3, रजत -1, कांस्य -1

सोनम पैकरा — गोल्ड- 1, रजत -1, कांस्य -2

संताय पोटाई — गोल्ड- 3, रजत -1, कांस्य -2

जयंती कचलाम — गोल्ड-5, कांस्य-2

हिमांशी नेताम — गोल्ड-1, कांस्य-2

अनिता कोर्राम — गोल्ड-3, कांस्य-1

कुल उपलब्धियां

- स्वर्ण - 101
- रजत - 20
- कांस्य - 40

कुल - 161 पदक

राष्ट्रीय स्तरीय और राज्यस्तरीय मल्लखंब चैम्पियनशीप विजेता खिलाड़ियो की सूची

क.	खिलाड़ी का नाम	प्रतियोगिता	आयोजित स्थान	दिनॉक	व्यक्तिगत	समूह	पदक	कुल
1	मानू ध्रुव	32 वी राष्ट्रीय मल्लखंब चैम्पियनशिप	बिलासपुर (छत्तीसगढ़)	05 से 06 मार्च 2020	1	1	2 स्वर्ण	10
		33 वी राष्ट्रीय मल्लखंब चैम्पियनशिप	उज्जैन (मध्यप्रदेश)	26 से 30 सितम्बर 2021	3	1	4 स्वर्ण	
		21 वी राज्यस्तरीय स्कूल मल्लखंब चैम्पियनशिप	कोण्डागांव (छत्तीसगढ़)	28 से 31 अक्तूबर 2021	3	1	4 स्वर्ण	
2	राजेश कोर्राम	ऑल इंडिया इन्वीटेशनल मल्लखंब चैम्पियनशिप	प्रतापपुर (छत्तीसगढ़)	04 से 05 नवम्बर 2019	1	1	2 स्वर्ण	4
		32 वी राष्ट्रीय मल्लखंब चैम्पियनशिप	बिलासपुर (छत्तीसगढ़)	05 से 06 मार्च 2020	0	1	1 स्वर्ण	
		33 वी राष्ट्रीय मल्लखंब चैम्पियनशिप	उज्जैन (मध्यप्रदेश)	26 से 30 सितम्बर 2021	0	1	1 स्वर्ण	
3	मोनु नेताम	32 वी राष्ट्रीय मल्लखंब चैम्पियनशिप	बिलासपुर (छत्तीसगढ़)	05 से 06 मार्च 2020	0	1	1 स्वर्ण	3
		33 वी राष्ट्रीय मल्लखंब चैम्पियनशिप	उज्जैन (मध्यप्रदेश)	26 से 30 सितम्बर 2021	0	1	1 स्वर्ण	
		21 वी राज्यस्तरीय स्कूल मल्लखंब चैम्पियनशिप	कोण्डागांव (छत्तीसगढ़)	28 से 31 अक्तूबर 2021	0	1	1 स्वर्ण	
4	राकेश वड़दा	32 वी राष्ट्रीय मल्लखंब चैम्पियनशिप	बिलासपुर (छत्तीसगढ़)	05 से 06 मार्च 2020	0	1	1 स्वर्ण	5
		33 वी राष्ट्रीय मल्लखंब चैम्पियनशिप	उज्जैन (मध्यप्रदेश)	26 से 30 सितम्बर 2021	1	1	1 स्वर्ण, 1 कास्य	
		21 वी राज्यस्तरीय स्कूल मल्लखंब चैम्पियनशिप	कोण्डागांव (छत्तीसगढ़)	28 से 31 अक्तूबर 2021	1	1	1 स्वर्ण, 1 रजत	
5	मंगडू पोडियाम	32 वी राष्ट्रीय मल्लखंब चैम्पियनशिप	बिलासपुर (छत्तीसगढ़)	05 से 06 मार्च 2020	1	1	1 स्वर्ण, 1 रजत	4
		राज्यस्तरीय इन्वीटेशनल मल्लखंब चैम्पियनशिप	प्रतापपुर (छत्तीसगढ़)	04 से 05 नवम्बर 2019	1	0	1 रजत	
		33 वी राष्ट्रीय मल्लखंब चैम्पियनशिप	उज्जैन (मध्यप्रदेश)	26 से 30 सितम्बर 2021	0	1	1 स्वर्ण	
6	राजू कर्मा	33 वी राष्ट्रीय मल्लखंब चैम्पियनशिप	उज्जैन (मध्यप्रदेश)	26 से 30 सितम्बर 2021	0	1	1 स्वर्ण	2
		21 वी राज्यस्तरीय स्कूल मल्लखंब चैम्पियनशिप	कोण्डागांव (छत्तीसगढ़)	28 से 31 अक्तूबर 2021	0	1	1 स्वर्ण	
7	श्यामलाल पोटाई	32 वी राष्ट्रीय मल्लखंब चैम्पियनशिप	बिलासपुर (छत्तीसगढ़)	05 से 06 मार्च 2020	0	1	1 स्वर्ण	3
		33 वी राष्ट्रीय मल्लखंब चैम्पियनशिप	उज्जैन (मध्यप्रदेश)	26 से 30 सितम्बर 2021	0	1	1 स्वर्ण	
		21 वी राज्यस्तरीय स्कूल मल्लखंब चैम्पियनशिप	कोण्डागांव (छत्तीसगढ़)	28 से 31 अक्तूबर 2021	0	1	1 स्वर्ण	
8	राजेश सलाम	33 वी राष्ट्रीय मल्लखंब चैम्पियनशिप	उज्जैन (मध्यप्रदेश)	26 से 30 सितम्बर 2021	0	1	1 कास्य	2
		21 वी राज्यस्तरीय स्कूल मल्लखंब चैम्पियनशिप	कोण्डागांव (छत्तीसगढ़)	28 से 31 अक्तूबर 2021	0	1	1 स्वर्ण	
9	संतोष शोरी	33 वी राष्ट्रीय मल्लखंब चैम्पियनशिप	उज्जैन (मध्यप्रदेश)	26 से 30 सितम्बर 2021	0	1	1 कास्य	8
		21 वी राज्यस्तरीय स्कूल मल्लखंब चैम्पियनशिप	कोण्डागांव (छत्तीसगढ़)	28 से 31 अक्तूबर 2021	1	1	1 स्वर्ण, 1 कास्य	
		राज्यस्तरीय इन्वीटेशनल मल्लखंब चैम्पियनशिप	प्रतापपुर (छत्तीसगढ़)	04 से 05 नवम्बर 2019	1	0	1 स्वर्ण	
		19 वी राज्यस्तरीय स्कूल मल्लखंब चैम्पियनशिप	कोण्डागांव (छत्तीसगढ़)	19 से 22 अक्तूबर 2019	1	1	2 स्वर्ण	
		1 ओपन राज्यस्तरीय मल्लखंब प्रतियोगिता	पामगढ़ (जॉजगीर चांपा)	4 से 5 नवम्बर 2019	1	1	1 स्वर्ण, 1 रजत	
10	आयतुराम कोर्राम	33 वी राष्ट्रीय मल्लखंब चैम्पियनशिप	उज्जैन (मध्यप्रदेश)	26 से 30 सितम्बर 2021	0	1	1 कास्य	4
		राज्यस्तरीय इन्वीटेशनल मल्लखंब चैम्पियनशिप	प्रतापपुर (छत्तीसगढ़)	04 से 05 नवम्बर 2019	1	1	1 स्वर्ण, 1 कास्य	
		21 वी राज्यस्तरीय स्कूल मल्लखंब चैम्पियनशिप	कोण्डागांव (छत्तीसगढ़)	28 से 31 अक्तूबर 2021	0	1	1 स्वर्ण	
11	फूलसिंह पोटाई	33 वी राष्ट्रीय मल्लखंब चैम्पियनशिप	उज्जैन (मध्यप्रदेश)	26 से 30 सितम्बर 2021	0	1	1 कास्य	10
		21 वी राज्यस्तरीय स्कूल मल्लखंब चैम्पियनशिप	कोण्डागांव (छत्तीसगढ़)	28 से 31 अक्तूबर 2021	2	1	1 स्वर्ण, 2 रजत	
		राज्यस्तरीय इन्वीटेशनल मल्लखंब चैम्पियनशिप	प्रतापपुर (छत्तीसगढ़)	04 से 05 नवम्बर 2019	1	1	1 स्वर्ण, 1 कास्य	
		19 वी राज्यस्तरीय स्कूल मल्लखंब चैम्पियनशिप	कोण्डागांव (छत्तीसगढ़)	19 से 22 अक्तूबर 2019	2	1	1 स्वर्ण, 2 रजत	
		1 ओपन राज्यस्तरीय मल्लखंब प्रतियोगिता	पामगढ़ (जॉजगीर चांपा)	4 से 5 नवम्बर 2019	0	1	1 स्वर्ण	
12	नरेन्द्र गोटा	33 वी राष्ट्रीय मल्लखंब चैम्पियनशिप	उज्जैन (मध्यप्रदेश)	26 से 30 सितम्बर 2021	1	1	1 स्वर्ण, 1 कास्य	16
		21 वी राज्यस्तरीय स्कूल मल्लखंब चैम्पियनशिप	कोण्डागांव (छत्तीसगढ़)	28 से 31 अक्तूबर 2021	1	1	2 स्वर्ण	
		19 वी राज्यस्तरीय स्कूल मल्लखंब चैम्पियनशिप	कोण्डागांव (छत्तीसगढ़)	19 से 22 अक्तूबर 2019	3	1	4 स्वर्ण	
		राज्यस्तरीय इन्वीटेशनल मल्लखंब चैम्पियनशिप	प्रतापपुर (छत्तीसगढ़)	04 से 05 नवम्बर 2019	1	1	1 स्वर्ण, 1 रजत	
		18 वी राज्यस्तरीय स्कूल मल्लखंब चैम्पियनशिप	कोण्डागांव (छत्तीसगढ़)	15 से 20 अक्तूबर 2018	3	1	4 स्वर्ण	
		1 ओपन राज्यस्तरीय मल्लखंब प्रतियोगिता	पामगढ़ (जॉजगीर चांपा)	4 से 5 नवम्बर 2019	1	1	2 स्वर्ण	
13	फूलसिंह सलाम	33 वी राष्ट्रीय मल्लखंब चैम्पियनशिप	उज्जैन (मध्यप्रदेश)	26 से 30 सितम्बर 2021	0	2	2 कास्य	12
		21 वी राज्यस्तरीय स्कूल मल्लखंब चैम्पियनशिप	कोण्डागांव (छत्तीसगढ़)	28 से 31 अक्तूबर 2021	2	1	1 स्वर्ण, 2 कास्य	
		राज्यस्तरीय इन्वीटेशनल मल्लखंब चैम्पियनशिप	प्रतापपुर (छत्तीसगढ़)	04 से 05 नवम्बर 2019	0	1	1 स्वर्ण	
		19 वी राज्यस्तरीय स्कूल मल्लखंब चैम्पियनशिप	कोण्डागांव (छत्तीसगढ़)	19 से 22 अक्तूबर 2019	3	1	1 स्वर्ण, 3 कास्य	
		1 ओपन राज्यस्तरीय मल्लखंब प्रतियोगिता	पामगढ़ (जॉजगीर चांपा)	4 से 5 नवम्बर 2019	1	1	1 स्वर्ण, 1 कास्य	
14	रविशंकर कोवाची	18 वी राज्यस्तरीय स्कूल मल्लखंब चैम्पियनशिप	कोण्डागांव (छत्तीसगढ़)	15 से 20 अक्तूबर 2018	3	1	1 स्वर्ण, 2 रजत, 1 कास्य	8
		राज्यस्तरीय इन्वीटेशनल मल्लखंब चैम्पियनशिप	प्रतापपुर (छत्तीसगढ़)	04 से 05 नवम्बर 2019	1	1	1 स्वर्ण, 1 रजत	
		1 ओपन राज्यस्तरीय मल्लखंब प्रतियोगिता	पामगढ़ (जॉजगीर चांपा)	4 से 5 नवम्बर 2019	1	1	2 स्वर्ण	
15	प्रदीप नुरेटी	19 वी राज्यस्तरीय स्कूल मल्लखंब चैम्पियनशिप	कोण्डागांव (छत्तीसगढ़)	19 से 22 अक्तूबर 2019	3	1	2 स्वर्ण, 1 रजत, 1 कास्य	7
		राज्यस्तरीय इन्वीटेशनल मल्लखंब चैम्पियनशिप	प्रतापपुर (छत्तीसगढ़)	04 से 05 नवम्बर 2019	0	1	1 स्वर्ण	
		1 ओपन राज्यस्तरीय मल्लखंब प्रतियोगिता	पामगढ़ (जॉजगीर चांपा)	4 से 5 नवम्बर 2019	1	1	1 स्वर्ण, 1 रजत	
16	योगेन्द्र हिड़को	33 वी राष्ट्रीय मल्लखंब चैम्पियनशिप	उज्जैन (मध्यप्रदेश)	26 से 30 सितम्बर 2021	0	1	1 कास्य	1
17	याशिम यादव	33 वी राष्ट्रीय मल्लखंब चैम्पियनशिप	उज्जैन (मध्यप्रदेश)	26 से 30 सितम्बर 2021	0	2	2 कास्य	2
		कुल			47	54	65 स्वर्ण, 14 रजत, 22 कास्य	101

राष्ट्रीय स्तरीय और राज्यस्तरीय मल्लखंब चैम्पियनशीप विजेता खिलाड़ियो की सूची

क्र0	खिलाड़ी का नाम	प्रतियोगिता	आयोजित स्थान	दिनॉक	व्यक्तिगत	समूह	पदक	कुल
1	जयन्ती कचलाम	33 वी राष्ट्रीय मल्लखंब चैम्पियनशिप	उज्जैन (मध्यप्रदेश)	26 से 30 सितम्बर 2021	1	1	2 कास्य	6
		21 वी राज्यस्तरीय स्कूल मल्लखंब चैम्पियनशिप	कोण्डागांव (छत्तीसगढ़)	28 से 31 अक्तूबर 2021	1	1	2 स्वर्ण	
		1 ओपन राज्यस्तरीय मल्लखंब प्रतियोगिता	पामगढ़ (जॉजगीर चांपा)	4 से 5 नवम्बर 2019	1	1	3 स्वर्ण	
2	सन्ताय पोटाई	33 वी राष्ट्रीय मल्लखंब चैम्पियनशिप	उज्जैन (मध्यप्रदेश)	26 से 30 सितम्बर 2021	0	1	1 कास्य	6
		21 वी राज्यस्तरीय स्कूल मल्लखंब चैम्पियनशिप	कोण्डागांव (छत्तीसगढ़)	28 से 31 अक्तूबर 2021	0	1	1 स्वर्ण	
		19 वी राज्यस्तरीय स्कूल मल्लखंब चैम्पियनशिप	कोण्डागांव (छत्तीसगढ़)	19 से 22 अक्तूबर 2019	1	1	1 स्वर्ण, 1 कास्य	
		1 ओपन राज्यस्तरीय मल्लखंब प्रतियोगिता	पामगढ़ (जॉजगीर चांपा)	4 से 5 नवम्बर 2019	1	1	1 स्वर्ण, 1 रजत	
3	अनिता कोर्राम	33 वी राष्ट्रीय मल्लखंब चैम्पियनशिप	उज्जैन (मध्यप्रदेश)	26 से 30 सितम्बर 2021	0	1	1 कास्य	4
		21 वी राज्यस्तरीय स्कूल मल्लखंब चैम्पियनशिप	कोण्डागांव (छत्तीसगढ़)	28 से 31 अक्तूबर 2021	0	1	1 स्वर्ण	
		19 वी राज्यस्तरीय स्कूल मल्लखंब चैम्पियनशिप	कोण्डागांव (छत्तीसगढ़)	19 से 22 अक्तूबर 2019	0	1	1 स्वर्ण	
		1 ओपन राज्यस्तरीय मल्लखंब प्रतियोगिता	पामगढ़ (जॉजगीर चांपा)	4 से 5 नवम्बर 2019	0	1	1 स्वर्ण	
4	मोनिका पोटाई	1 ओपन राज्यस्तरीय मल्लखंब प्रतियोगिता	पामगढ़ (जॉजगीर चांपा)	4 से 5 नवम्बर 2019	1	1	1 स्वर्ण, 1 रजत	4
		21 वी राज्यस्तरीय स्कूल मल्लखंब चैम्पियनशिप	कोण्डागांव (छत्तीसगढ़)	28 से 31 अक्तूबर 2021	1	1	2 स्वर्ण	
5	हिमांशी नेताम	33 वी राष्ट्रीय मल्लखंब चैम्पियनशिप	उज्जैन (मध्यप्रदेश)	26 से 30 सितम्बर 2021	0	2	2 कास्य	3
		21 वी राज्यस्तरीय स्कूल मल्लखंब चैम्पियनशिप	कोण्डागांव (छत्तीसगढ़)	28 से 31 अक्तूबर 2021	0	1	1 स्वर्ण	
6	रिमा जुर्री	33 वी राष्ट्रीय मल्लखंब चैम्पियनशिप	उज्जैन (मध्यप्रदेश)	26 से 30 सितम्बर 2021	0	1	1 कास्य	2
		21 वी राज्यस्तरीय स्कूल मल्लखंब चैम्पियनशिप	कोण्डागांव (छत्तीसगढ़)	28 से 31 अक्तूबर 2021	0	1	1 स्वर्ण	
7	सोनम पैकरा	33 वी राष्ट्रीय मल्लखंब चैम्पियनशिप	उज्जैन (मध्यप्रदेश)	26 से 30 सितम्बर 2021	1	2	1 रजत, 2 कास्य	4
		21 वी राज्यस्तरीय स्कूल मल्लखंब चैम्पियनशिप	कोण्डागांव (छत्तीसगढ़)	28 से 31 अक्तूबर 2021	0	1	1 स्वर्ण	
8	दुर्गेश्वरी कुमेटी	21 वी राज्यस्तरीय स्कूल मल्लखंब चैम्पियनशिप	कोण्डागांव (छत्तीसगढ़)	28 से 31 अक्तूबर 2021	1	1	1 स्वर्ण, 1 रजत	3
		1 ओपन राज्यस्तरीय मल्लखंब प्रतियोगिता	पामगढ़ (जॉजगीर चांपा)	4 से 5 नवम्बर 2019	0	1	1 स्वर्ण	
9	पूजा गोटा	21 वी राज्यस्तरीय स्कूल मल्लखंब चैम्पियनशिप	कोण्डागांव (छत्तीसगढ़)	28 से 31 अक्तूबर 2021	0	1	1 स्वर्ण	2
		1 ओपन राज्यस्तरीय मल्लखंब प्रतियोगिता	पामगढ़ (जॉजगीर चांपा)	4 से 5 नवम्बर 2019	0	1	1 स्वर्ण	
10	रम्मी पददा	33 वी राष्ट्रीय मल्लखंब चैम्पियनशिप	उज्जैन (मध्यप्रदेश)	26 से 30 सितम्बर 2021	1	1	2 कास्य	2
11	नन्दनी पोटाई	33 वी राष्ट्रीय मल्लखंब चैम्पियनशिप	उज्जैन (मध्यप्रदेश)	26 से 30 सितम्बर 2021	0	1	1 कास्य	1
12	डिम्पल कावड़े	33 वी राष्ट्रीय मल्लखंब चैम्पियनशिप	उज्जैन (मध्यप्रदेश)	26 से 30 सितम्बर 2021	0	1	1 कास्य	1
13	राजबत्ती	33 वी राष्ट्रीय मल्लखंब चैम्पियनशिप	उज्जैन (मध्यप्रदेश)	26 से 30 सितम्बर 2021	0	1	1 कास्य	3
		1 ओपन राज्यस्तरीय मल्लखंब प्रतियोगिता	पामगढ़ (जॉजगीर चांपा)	4 से 5 नवम्बर 2019	1	1	1 स्वर्ण, 1 कास्य	
14	लक्ष्मी वडडे	33 वी राष्ट्रीय मल्लखंब चैम्पियनशिप	उज्जैन (मध्यप्रदेश)	26 से 30 सितम्बर 2021	0	1	1 कास्य	2
		1 ओपन राज्यस्तरीय मल्लखंब प्रतियोगिता	पामगढ़ (जॉजगीर चांपा)	4 से 5 नवम्बर 2019	0	1	1 स्वर्ण	
15	बिताय पददा	33 वी राष्ट्रीय मल्लखंब चैम्पियनशिप	उज्जैन (मध्यप्रदेश)	26 से 30 सितम्बर 2021	0	1	1 कास्य	2
		1 ओपन राज्यस्तरीय मल्लखंब प्रतियोगिता	पामगढ़ (जॉजगीर चांपा)	4 से 5 नवम्बर 2019	0	1	1 स्वर्ण	
16	सरिता पोयाम	21 वी राज्यस्तरीय स्कूल मल्लखंब चैम्पियनशिप	कोण्डागांव (छत्तीसगढ़)	28 से 31 अक्तूबर 2021	1	1	2 स्वर्ण	6
		19 वी राज्यस्तरीय स्कूल मल्लखंब चैम्पियनशिप	कोण्डागांव (छत्तीसगढ़)	19 से 22 अक्तूबर 2019	1	1	2 स्वर्ण	
		1 ओपन राज्यस्तरीय मल्लखंब प्रतियोगिता	पामगढ़ (जॉजगीर चांपा)	4 से 5 नवम्बर 2019	1	1	2 स्वर्ण	
17	सीमा जुर्री	21 वी राज्यस्तरीय स्कूल मल्लखंब चैम्पियनशिप	कोण्डागांव (छत्तीसगढ़)	28 से 31 अक्तूबर 2021	1	1	2 स्वर्ण	5
		19 वी राज्यस्तरीय स्कूल मल्लखंब चैम्पियनशिप	कोण्डागांव (छत्तीसगढ़)	19 से 22 अक्तूबर 2019	1	1	1 स्वर्ण, 1 रजत	
		1 ओपन राज्यस्तरीय मल्लखंब प्रतियोगिता	पामगढ़ (जॉजगीर चांपा)	4 से 5 नवम्बर 2019	0	1	1 स्वर्ण	
18	रताय पोटाई	19 वी राज्यस्तरीय स्कूल मल्लखंब चैम्पियनशिप	कोण्डागांव (छत्तीसगढ़)	19 से 22 अक्तूबर 2019	0	1	1 स्वर्ण	2
		1 ओपन राज्यस्तरीय मल्लखंब प्रतियोगिता	पामगढ़ (जॉजगीर चांपा)	4 से 5 नवम्बर 2019	0	1	1 स्वर्ण	
19	पिंकी नाग	19 वी राज्यस्तरीय स्कूल मल्लखंब चैम्पियनशिप	कोण्डागांव (छत्तीसगढ़)	20 से 22 अक्तूबर 2019	0	1	1 स्वर्ण	2
		1 ओपन राज्यस्तरीय मल्लखंब प्रतियोगिता	पामगढ़ (जॉजगीर चांपा)	4 से 5 नवम्बर 2019	0	1	1 स्वर्ण	
		कुल			16	44	36 स्वर्ण, 6 रजत, 18 कास्य	60

आभार

आज अबूझमाड़ मल्लखंब अकादमी नारायणपुर के शून्य से शिखर की ओर बढ़ते कदम हेतु नारायणपुर शहर एवं जिले के अनेकानेक स्नेही, आकांक्षी और सहयोगी सम्माननीय जन प्रतिनिधि, नागरिक, शासकीय/अशासकीय कर्मचारी–अधिकारी एवं मीडिया के साथी गणों का अकादमी नारायणपुर हृदय से आभार व्यक्त करता है, जिनका प्रत्यक्ष–अप्रत्यक्ष रूप से बहुमूल्य स्नेह, मार्गदर्शन, प्रेरणा एवं सहयोग अकादमी को प्राप्त हुआ और पूरा आशा है कि यही पूनर्रावृत्ति भविष्य में भी अकादमी के साथ बना रहेगा।

——000——

धन्यवाद!

अबुझ माड़

मल्लखम्भ

अकादमी नारायणपुर छत्तीसगढ़

–: संपर्क कीजिए :–

हाई स्कूल ग्राउड, नारायणपुर (छ.ग.)

+91–75871–66097, 82508–44044, 75873–65162, 75871–82262, 85952–89495

ई–मेल : abujhmadmallakhamb@gmail.com